consider the question of relaxation of ban on the setting up of formulation capacity of Pesticides;

(b) whether Government have accepted the recommendations; and

(c) if not, what are the reasons therefor and what alternative arrangements Government propose to adopt in the matter?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI P. C. SETHI): (a) In the Inter-Ministerial meeting held on 16th April, 1979, it was decided to recommend relaxation of the ban on the setting up of formulation capacity for pesticides in favour of the small scale sector including cooperatives.

(b) and (c) The implications of this recommendation, particularly in relation to State Agencies like State Agro Industries Corporations are being examined.

कराची में द्वितीय चैम्पियन्स कप हाकी टूर्नामेंट में भारत का खेल प्रदर्शन

89. **श्री हरि शंकर भाभड़ा**
श्री सुन्दर सिंह भण्डारी :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कराची में हाल में हुये द्वितीय चैम्पियन्स कप हाकी टूर्नामेंट में भारत का खेल निराशाजनक रहा है; और;

(ख) यदि हां, तो खेल परिणामों का ब्यौरा क्या है तथा भारतीय हाकी टीम द्वारा अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के क्या कारण हैं तथा भारत में हाकी के स्तर में सुधार लाने के लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

†[**India's performance in Second Champions Cup Hockey Tournament at Karachi**

89. SHRI HARISHANKAR BHABHRA:

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI:

Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India's performance in recent second Champions Cup Hockey Tournament held at Karachi, was disappointing; and

(b) if so, what are the details of the results of the tournament and what are the reasons for poor performance of Indian Hockey Team and what steps Government proposed to take to improve the standard of Hockey in Inida?]

शिक्षा, स्वास्थ्य तथा समाज कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) जी, हां।

(ख) भारत सात प्रतियोगी देशों में से 5वें स्थान पर रहा। भारत पाकिस्तान से (1–7), हालैण्ड से (2–6) और पश्चिम जर्मनी से (3–4) से हारा, आस्ट्रेलिया (3–3) और स्पेन (2–2) से बराबर रहा तथा इंग्लैण्ड को (6–3) से हराया। अखिल भारतीय खेल परिषद् के पर्यवेक्षकों ने रिपोर्ट दी है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन निम्नलिखित कारणों से घटिया दर्जे का रहा :—

(1) भारतीय हाकी फेडरेशन द्वारा उन खिलाड़ियों का चयन जो, हालांकि, व्यक्तिगत रूप से अच्छे थे, परन्तु नौजवान नहीं थे और इसीलिए वे कृत्रिम घास के मैदान पर, जहां जवानी और कार्यशक्ति को आवश्यकता होती है खेलने के लिए उपयुक्त नहीं थे।

(2) भाग लेने से पहले खिलाड़ियों के पर्याप्त और उचित प्रशिक्षण

†[ ] English translation.

तथा उनके शारीरिक अनुकूलन का न होना, और

(3) कृत्रिम घास के मैदान पर खिलाड़ियों का अभ्यास न होना।

सरकार ने भारतीय हॉकी फैडरेशन को अखिल भारतीय खेल परिषद् की सिफारिश के अनुसार टीम के पर्याप्त तथा उचित प्रशिक्षण और उसके प्रबन्ध की आवश्यकता के सम्बन्ध में पहले ही सूचित कर दिया है। सरकार अखिल भारतीय खेल परिषद् के पर्यवेक्षकों द्वारा की गई टिप्पणियां, जो उनसे सम्बन्धित हैं, हॉकी फेडेरेशन को भेज देगी जिससे कि वे उन्हें भविष्य में ध्यान में रख सकें।

†[THE MINISTER OF EDUCATION, HEALTH AND SOCIAL WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) Yes, Sir.

(b) India finished 5th out of seven competing countries. India lost to Pakistan (1—7), to Holland (2—6) and to West Germany (3—4); drew with Australia (3—3) and Spain (2—2) and beat Great Britain (6—3).

The observers of the All India Council of Sports have reported that the poor performance of the Indian team was mainly due to:—

(i) Selection, by the Indian Hockey Federation, of players who, though individually good, were not in their prime and were thus not suitable to play on astro-turf where youth and stamina are necessary;

(ii) lack of adequate and proper coaching and physical conditioning of the players before participation; and

(iii) lack of practice of the players on astro-turf.

The Government have already informed the Indian Hockey Federation about the need for adequate and proper coaching and managing of the team as recommended by the All India Council of Sports. The Government would also be conveying to the Hockey Federation the observers of the All India Council of Sports for them to take into account for the future.]

दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा मकानों का निर्माण

90. **श्री लाखन सिंह :**
श्री हरि शंकर भाभड़ा :

क्या **निर्माण और आवास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने गत दो वर्षों में रिहायशी मकानों के निर्माण की योजनाओं को स्वीकृति दे दी थी; और

(ख) यदि हां, तो इस योजना के अधीन जिन रिहायशी मकानों के निर्माण की सम्भावना है, उनकी श्रेणीवार संख्या क्या है ?

†[**Construction of houses by the DDA**

90. SHRI LAKHAN SINGH:

SHRI HARI SHANKAR BHABHRA:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Delhi Development Authority had approved schemes for constructing residential houses during the last two years; and

(b) if so, what is the category-wise number of the residential houses which are likely to be constructed under the schemes?]

†[ ] English translation.